



प्रसार निदेशालय, चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। विश्व के देश आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं लेकिन इस राह में दिनों दिन दुनियाभर में ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ गया है और इस तरह से लोग जीवन जी रहे हैं, जिससे पर्यावरण खतरे में हैं। इंसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं है। ऐसे में प्रकृति के साथ इंसानों को तालमेल बिठाना होता है, लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है, जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं, जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं, साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित प्रसार निदेशालय सहित 13 कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा दिनांक 05 जून 2022 को वृक्षारोपण का कार्य सम्पन्न किया गया, जिसमें कुल 225 पौधे रोपित किये गये। इसके अतिरिक्त कृषि विज्ञान केन्द्र हाथरस द्वारा 200 पौधे वृक्षारोपण हेतु कृषकों को निःशुल्क वितरित किये गये।

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	कार्यस्थल	रोपित पौधों की संख्या
प्रसार निदेशालय	चंशो० आजाद, कृषि एवं प्रौद्योगिकी०, कानपुर	07
के०वी०के०, कन्नौज	कृषि विज्ञान केन्द्र	25
के०वी०के०, हरदोई	कृषि विज्ञान केन्द्र	05
के०वी०के०, कानपुर दे०	कृषि विज्ञान केन्द्र	10
के०वी०के०, इटावा	कृषि विज्ञान केन्द्र	10
के०वी०के०, लखीमपुर	कृषि विज्ञान केन्द्र	10
के०वी०के०, मैनपुरी	कृषि विज्ञान केन्द्र	13
के०वी०के०, हाथरस	कृषि विज्ञान केन्द्र	50
के०वी०के०, रायबरेली—।	कृषि विज्ञान केन्द्र	20
के०वी०के०, रायबरेली—।।	कृषि विज्ञान केन्द्र	10
के०वी०के०, अलीगढ़	कृषि विज्ञान केन्द्र	05
के०वी०के०, औरेया	कृषि विज्ञान केन्द्र	05
के०वी०के०, फतेहपुर	ग्राम औंग औंगनवाड़ी केन्द्र	50
के०वी०के०, फर्रुखाबाद	कृषि विज्ञान केन्द्र	05
कुल योग		225

स्थल का नाम	रोपित पौधों की संख्या
प्रसार निदेशालय चंशो आजाद, कृषि एवं प्रौद्योगिकी, कानपुर	07
	

स्थल का नाम	रोपित पौधों की संख्या
केवीको, कन्नौज	25
	

स्थल का नाम
केंद्रीय को, हरदोई

रोपित पौधों की संख्या
05



स्थल का नाम
केंद्रीय को, कानपुर दे०

रोपित पौधों की संख्या
10



<p>स्थल का नाम के०वी०के०, इटावा</p>	<p>रोपित पौधों की संख्या 10</p>
--	---

<p>स्थल का नाम के०वी०के०, लखीमपुर</p>	<p>रोपित पौधों की संख्या 10</p>
--	---

स्थल का नाम
के०वी०के०, मैनपुरी

रोपित पौधों की संख्या
13



स्थल का नाम
के०वी०के०, हाथरस

रोपित पौधों की संख्या
50 रोपित + 200 बॉटे गये



**स्थल का नाम
के0वी0के0, हाथरस**



**रोपित पौधों की संख्या
50 रोपित + 200 वितरित**



**स्थल का नाम
के0वी0के0, रायबरेली—।**



**रोपित पौधों की संख्या
20**



स्थल का नाम
के०वी०के०, रायबरेली— ॥



रोपित पौधों की संख्या
10



स्थल का नाम
के०वी०के०, अलीगढ़



रोपित पौधों की संख्या
05



**स्थल का नाम
के०वी०के०, औरेया**

**रोपित पौधों की संख्या
05**



**स्थल का नाम
के०वी०के०, फतेहपुर (ग्राम: औंग)**

**रोपित पौधों की संख्या
50**



स्थल का नाम
के0वी0के0,फर्रुखाबाद

रोपित पौधों की संख्या
05

